गोचर सहचारिताके चाहतगार ईसा प्रेमियों के लिए चार सुझाव

''नई एकता की ओर'' नामांकित प्रपत्र २०१५ की ओर ले जानेवाली हमराह की नींव है / प्रस्तुत प्रपत्र आम ईसा प्रेमियों को आगामी संवत्सर में हग्गोचर सहचरिता का वादा करता है / इस खोज में शामिल होने वालों के लिए चार सुझाव है /

ईसा ने सब लोगों को निरषवाद दोस्ती प्रदान की / इसी का नाम है सहचरिता / इस सहचरिता के लिए हम सबको मानवता की जख्मों को साफ करने के कार्य में हाथ बटोरना होगा / इस कारण हमें स्वयंप्रेरित होकर निरषवाद विश्वसाहचर्य के लिए प्रयास करना पडेगा /

इस प्रयास में हम किस - प्रकार शामिल हो सकते हैं?

सुझाव १ : स्थानिय अर्चना गठबंधन में शामिल हो / सबको प्यार दो ताँकि सबको ज्ञात हो कि तुम मेरे अन्तेवासी (शिष्य) हो / (जॉन १३:३४-३५).

इस सहचरिता का अविष्कार अकसर सभासंमेलनों में होता है / मगर ऐसे अवसरों की मात्रा काफी कम रहती है / सभी एवंविध अवसरों पर अंशत: क्यों न हो, समाजविभाजन आविष्कृत होता ही है / समाज को छोडकर हम श्रद्धामय जीवन नहीं जी सकते / साहचर्य की अनुभूति में तथा ईसा ही अमर्याद एकता का स्त्रोत है / इस एहसास में श्रद्धा की उत्पत्ति है /

धर्मग्राम जैसे स्थान, दोस्ताना के स्त्रोत बनने चाहिए / एक दूजे को सहकारिता दिखाना, दुर्बलों तथा परदेशियों की सहायता करना, अपने विचारों से सहमत न होनेवालों के साथ भी सदाचार का व्यवहार करना इन सब में सहचारिता की अनुभूति है /

सुझाव - सबके लिए -

रविवार की प्रार्थना में शामिल हो तथा अपने विचारों से सहमत न होने वालों के साथ प्यार सा व्यवहार करें /

गुरूजनों के लिए -

युवा जनों के सुझाव पर ध्यान दें / वृद्ध जनों को इस बात की जानकारी दें /

सुझाव २ : असीम यारााना

''तुम नीचतमों के लिए जो करोगे वहीं मेरे साथ होगा /'' (मथेय २५-४०)

ईसा सबकी निगाह रखता है / विशेषत: गरीब, बालक तथा उपेक्षित / उसका अनुसरण करके हम सब मर्यादाओ की उल्लंघन कर जरुरतमंदो की मदद करें / गैर इसाईयों के साथ भी एकता की अनुभूति लें /

गरीबी चाहे भौतिक या आध्यात्मिक - उसका बँटवारा करने में एकता की अनुभूति है / दरअसल, हम दाता के बजाय याचक बनते दिखते हैं /

सबके लिए सुझाव -

एक साल के लिए हम प्यार भरा व्यवहार करे - ऐसे लोगों के साथ जो बहिष्कृत हैं, गरीब हैं, बीमार हैं परित्यक्त बालक हैं, परदेसी तथा बेकार हैं /

धर्मगुरूजनों के लिए सुझाव – जहाँ प्यार की जरूरत है ऐसे स्थानों की खोज करने में युवा जनों की सहायता तथा पथदर्शन करें /

सुझाव ३ : साथ – साथ प्रार्थना करे / ''मेरे नामसे जब दो या तीन लोक इकठ्ठा होते है, तब मैं उनके बीच रहता हूँ /'' (मथेय १८-२०).

यातनादायी परिस्थितीयाँ, परित्याग, अकेलापन, अन्याय, अत्याचार आदि की का इस कुछ युवा भगवत् श्रद्धा को बैठते हैं /

मेरा हमराही कौन होगा, जिसके साथ मैं श्रद्धा का आदान प्रदान करू?

सुझाव – सबके लिए –

आपनी समस्याओ को खुद के साथ रखने के बजाय दुसरों के साथ उनका आदान–प्रदान करें / शुभ वर्तमान का समुह वाचन तथा मनन का अनुभव करें /

धर्माचार्यो के लिए सुझाव –

छोटे समुदायों को उपर्युक्त सुझाव का परिपालन करने के लिए प्रोत्साहित करे /

सुझाव ४ : ईसाभक्त गणों की एकता हग्गोचर करने का प्रयास करें /

हमारे पडोस में अन्य पंथों के सदस्य रहकर ईसा की भक्ति करते हैं / ईसाई बनने का मतलब है ईसा का नाम धारण करना / स्नानसंस्कार के पश्चात् हम ईसाई बनते हैं – कहलाते हैं / केवल नाममात्र ईसाई बनने के बजाय हम अपनी एकता अधिकतर हग्गोचर करने का प्रयास करें /

विचारों की भिन्नता दूरी का कारण नहीं हो सकता / ईसा ने क्रॉस पर अपने दोनों हाथ दूर फैलाते हुए भिन्न विचारों के लोगों के साथ रखा / ईसा के अनुचर बनकर स्वर्गीय संदेश फैलाने की अभिलाषा रखनेवाले ईसाईयों में एकता का अभाव नहीं होना चाहिए / पवित्र आत्मा हमें साहचर्य दिलाती है /

सुझाव सबके लिए –

दुसरी विचार धारा का अनुसरण करनेवाले, भिन्न पंथीय तथा भिन्न ग्रामीण सदस्यों का साथ लेने का प्रयास करें / हम उनसे मिलें तथा उनका स्वागत करें / प्रार्थना के अवसर पर हम ईसा के पास साथ–साथ जा सकते हैं / इसतरह हम अपनी एकता को आविष्कृत कर सकते हैं /

स्थानिय गुरुजनों के लिए सुझाव – दुसरों के साथ के बिना तथा उनका, विश्वास पैदा किए बिना कुछ न करें /